Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 9108

PAPER – III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

पाइयं

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

पण्हपत्तं – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**
All questions should be answered in Prakrit.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।
सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में लिखिए।

टिप्पणि: इमं पण्हपत्तं दु-सयाणं (200) अंकाणं अत्थि, यो चउभागे विभाजिदो अत्थि। तम्हि समाहिदाणं पण्हाणं उत्तरं जहाणियमाणुसारेण हि अब्यत्थिणो लिहिदव्वं।

सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उत्तर केवल प्राकृत में ही दें।

(5x5=25 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे णिम्मलिहिदे अणुच्छेदे पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगपण्णस्स उत्तरं तिंसदी (30) सद्दे अपेक्खिदं अत्थि। पत्तेगं पण्हं पंचाणं अंकाणं अत्थि।
सव्वाणं पण्हाणं उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(5x5=25 अंका)

एत्थंतरे आगओ तत्थेगो वीणा-वायगो। वाइया तेण वीणा। रंजिया देवदत्ता। भणियं च, साहु भो वीणा-वायग, साहु, सोहणा ते कला। मूलदेवेण भणियं, अहो अइनिउणो उज्जेणीजणो, जाणइ सुंदरासुंदर-विसेसं। देवदत्ताए भणियं, भो किमेत्थ खूणं? तेण भणियं, वंसो चेव असुद्धो, सगब्भा य तंती। तीए भणियं, कहं जाणिज्जइ। दंसेमि अहं। समप्पिया वीणा, कड़िढओ वंसाओ पाहणगो, तंतीए वालो। समारिऊण वाइउं पयुत्तो। कया पराहीणमाणसा स-परियणा देवदत्ता। पच्चासन्ने य करेणुया सया रवणसीला आसि। सा वि ठिया घुम्मंती ओलंबिय कण्णा।

1. Write short note on the Prakrit language used is the above passage.
उपर्युक्त अनुच्छेद में प्रयुक्त प्राकृत भाषा के ऊपर एक टिप्पणि लिखिए।
उवरि उत्तस्स अणुच्छेदस्स पइय-भासोवरि टिप्पणं लिह।

2. Write in brief the subject matter of the above passage.

उपर्युक्त अनुच्छेद के विषय को संक्षेप में लिखिए।

उवरि उत्तस्स अणुच्छेदस्स विसयं संखित्तेणं लिह।

3. Which city is mentioned in the above passage and what is the speciality of the people of that city ? Explain.

उपर्युक्त अनुच्छेद में किस नगर का उल्लेख है और वहाँ के लोगों की क्या विशेषता है? लिखिए।

उवरि उत्ते अणुच्छेदे कस्स णयरस्स उल्लेहो एवं च तस्स जणस्स का विसेसदा? लिह।

4. What fault are pointed out by Mūladeva in the playing of lute by the lute-player ? Explain.
उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित वीणाबजाने में मूलदेव के द्वारा क्या दोष सूचित किया गया?
उवरि उत्ते अणुच्छेदे वण्णिदे वीणा वायणे किं खूणं? सूचिदं मूलदेवेण? लिह।

5. Describe the after effect of lute-playing by Mūladeva as refered in the above passage.
उपर्युक्त अनुच्छेद में मूलदेव के द्वारा वीणावादन के बाद क्या परिणाम सूचित किए गये हैं, लिखिए।
उवरि उत्ते अणुच्छेदे किं परिणामं वण्णिदं मूलदेवेण वीणावायणंतरं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

टिप्पणी : अम्हि खंडे पंच-पंच (5-5) अंकाणं पंचदहा (15) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण तिंसदि (30) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(5x15=75 अंक)

6. Write any three charecteristics of Prakrit language.
प्राकृत भाषा की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
पाइय भासए कमवि तिण्णि विसेसदाओ लिह।

7. Write main features of Prakrit and Apabhramsha languages.
प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं में प्रमुख लक्षण बताइए।
पाइय-अवहंस-भासाणं पमुह लक्खणाणि लिह।

8. Write any two main characteristics of Śaurasenī-Prakrit.
शौरसेनी प्राकृत की प्रमुख दो विशेषताएँ लिखिए।
सोरसेणी-पाइयस्स पमुह दुण्णि विसेसदाओ लिह।

9. Explain the nature of Ardhamagadhi-Prakrit.

अर्धमागधी प्राकृत का स्वरूप लिखिए।

अद्धमगही–पाइयस्स सरूवं लिह।

10. Give names of any five works of Ācārya Kundakunda.

आचार्य कुन्दकुन्द के पाँच ग्रन्थों के नाम लिखें।

आयरिय कुंदकुंदस्स पंच गंथाणं णामाणि लिह।

11. Give the significance of the work Jñātādharmakatha.

ज्ञाताधर्मकथा ग्रन्थ का महत्त्व लिखिए।

णायाधम्मकहा गंथस्स महत्तं लिह।

12. Give a brief account of 'Vajjālaggam'.

'वज्जालग्गं' का संक्षिप्त परिचय दें।

'वज्जालग्गं' गंथस्स संसित्तेण परिचयं देयं।

13. What is the meaning of मृच्छकटिकंम्.

'मृच्छकटिकं' का क्या अर्थ है।

'मृच्छकटिकं' सद्दस्स अत्थं लिह।

14. What is the name of emperor Kharavela's inscription and where is it ?

सम्राट खारवेल के शिलालेख का क्या नाम है और वह कहाँ पर है?

सम्राट खारवेलस्स सिलालेहस्स किं नामं? तं कत्थ ठिदं?

15. Give an account of 'Alankaradarpana'.

'अलंकारदरपण' का परिचय दें।

'अलंकारदप्पण' गंथस्स परिचयं देयं।

16. What is the subject matter of 'Sanmatitarkaprakaran' ?

'सन्मतितर्कप्रकरण' का विषय क्या है?

'सन्मतितर्कप्रकरण' गंथस्स किं वण्ण-विसयं?

17. What is the subject matter of केसी-गोयम chapter ?

'केशी-गौतम' अध्ययन का विषय क्या है?

'केसी-गोयम' अज्झयणस्स वण्ण-विसयं किं?

18. Who is the author of Setubandha ?

'सेतुबन्ध' के लेखक कौन है?

सेतुबंध गंथस्स को लेहगो?

19. Write the name of the substances described in 'Dravyasangraha'.

'द्रव्यसंग्रह' में वर्णित द्रव्यों के नाम लिखें।

दव्वसंगहे गंथे वण्णिदाण दव्वाण के णामाणि?

20. Write the name of the works of Poet Puṣpadanta.

पुष्फ्दंत कवि की रचनाओं के नाम लिखें।

पुष्फ्दंत-कविस्स गंथाणि णामाणि लिह।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के (5) पाँच प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है.

(12x5=60 अंक)

टिप्पणी : अंहि खंडे बारस-बारस (12-12) अंकाण पंच (5) पण्हा संति। पत्तेगस्स पण्हस्स उत्तरं पायेण दु-सयेसु (200) सद्देसु अवेक्खिदं अत्थि।

(12x5=60 अंका)

21. Briefly introduce any three Prakrit narrative works.
प्राकृत कथा के किन्हीं तीन ग्रन्थों का परिचय लिखें।
पाइय कहासाहिच्चस्स किमवि तिण्णि गंथाण परिचयं देयं।

22. Write the subject matter of 'लोगविजय अज्झयणं' of Ācārāngasūtra.
'आचारांगसूत्र' के 'लोगविजय' अध्ययन की विषयवस्तु लिखें।
आचारांगसूत्र गंथस्स लोगविजय-अज्झयणस्स वण्णविसयं लिह।

23. Throw light on the social significance of Ashokan inscriptions.
अशोक के शिलालेखों का समाजिक महत्त्व लिखिए।
असोगस्स सिलालेहाण सामाजिकं महत्तं लिह।

24. Write a note on the subject matter of ज्ञानाधिकार of प्रवचनसार.
प्रवचनसार के ज्ञानाधिकार की विषयवस्तु लिखें।
पवयणसारस्स णाणाहिगारस्स वण्ण-विसयं णिरूवणीयं।

25. Write a note on the Vowel changes in Prakrit.
प्राकृत भाषा में 'स्वर-परिवर्तन' पर एक टिप्पणी लिखिए।
पाइय भासए सर-परिवट्टण संबंधी टिप्पणि लेहणीया।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उत्तर दें।

(40x1=40 अंक)

टिप्पणि : अम्हि खंडे चत्तालीस (40) अंकाण एगो णिबंधत्तगो पण्हो अत्थि, जस्स उत्तरं अहोलिहिदेसु विसएसु कमवि एगे पायेण सहस्स (1000) सद्देषु लेहणं अवेक्खिदं अत्थि। पण्हस्स उत्तरं पाइय-भासाए लिहिदव्वं।

(40x1=40 अंका)

26. Evaluate the canonical works of Ardhamagadhi Prakrit.

अर्धमागधी प्राकृत के अंगग्रंथों का मूल्यांकन कीजिए।

अद्धमगही भासाए अंगगंथाणं मुल्लंकणं करेति।

OR / अथवा / अहवा

Write an essay on any one of the following :

निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए :

अहोलिहितेसु किमवि एगं णिबंधं लिह :

(i) Introduction of Prakrit Epics.

प्राकृत महाकाव्यों का परिचय।

पाइय महाकव्वाण परिचयं।

(ii) Introduction of Prakrit Sattaka works.

प्राकृत सट्टक-ग्रन्थों का परिचय।

पाइय सट्टक-गंथाण परिचयं।

(iii) Evaluation of any two works of Shaurseni Prakrit.

शौरसेनी भाषा के प्रमुख दो ग्रन्थों का मूल्यांकन।

सोरसेनी पाइय भासाए पमुह दोण्णि गंथाण मुल्लंकणं।

(iv) Contribution of Acarya Hemachandra.

प्राकृत वैयाकरण आचार्य हेमचन्द्र का अवदान।

पाइय वेयागरण आयरिय हेमचंदस्स अवदानं।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....